

वैशाख महीने की तो बात निराली है नरसिंह भजन



वैशाख महीने की,
तो बात निराली है,
प्रभु अदभुत रूप लिये,
लीला दिखलाई है।bd।

तर्ज – एक प्यार का नगमा ।

धरती पे मरू न नभ में,
न रात में नही दिन में,
न अस्त्र शस्त्र से मरू,
न मानव पशु जीव से,
ब्रह्मा से वर पा कर,
दैत्य हिरणाकश्यप ने,
त्रिभुवन को वश में किया,
खुद को प्रभु मान लिया।bd।

नरसिंह का रूप धर के,
खम्बे से प्रगट हुए,
कण कण में बसा हूँ मैं,
भगतो की रक्षा के लिये,
तोड़ ब्रह्मा के वर का,
प्रभु ने निकाल लिया,
हिरणाकश्यप को मार,
प्रह्लाद का मान रखा।bd।

वैशाख महीने की,
तो बात निराली है,
प्रभु अदभुत रूप लिये,
लीला दिखलाई है।bd।

Singer – Swati Chandak
Upload By – Krishna Kumar Daga
9163974416